मुलाकात

एकीकृत पोषण और स्वास्थ्य परियोजना के कियांवयन में संस्था को निरंतर विभागीय सहयोग प्राप्त होता रहा है जिसमें आई.सी.डी.एस., एन.आर.एच.एम. और स्वास्थ्य विभाग प्रमुख हैं। विभागीय प्रमुखों का भी परियोजना से गहरा जुडाव रहा है, जिसके तहत समय समय पर विभागीय प्रमुखों से मागदर्शन और सहयोग प्राप्त होता रहता है। इसी तारतम्य में परियोजना और संस्था के प्रति जिला कार्यकम प्रबंधक एन.आर.एच.एम. श्री अशफॉक खान से एक साक्षात्कार श्री शशिकांत यादव, कार्यकम अधिकारी, केयर बालाघाट और श्री सतीश जैन परियोजना समन्वयक सी.डी.सी. द्वारा लिया गया, साक्षात्कार में श्री खान ने आई.एन.एच.पी. परियोजना और संस्था के कार्यों के बारे में विस्तार से चर्चा की जिसके अंश इस दस्तावेज में संग्रहित किये गये हैं।

श्री अशफॉक खान
जिला कार्यकम अधिकारी
राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन
बालाघाट

- आप एकीकृत पोषण एवं स्वास्थ्य परियोजना के बारे में क्या जानते है ?

  आई. एन. एच. पी. ने स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास के बीच समन्वय स्थापित करने में एक महत्पूर्ण भूमिका निभाई है । कार्यकम को निचले अमले तक ले जाने एवं उसका कियान्वयन करने सहयोग प्रदान किया है । परियोजना स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत से परिचित कराने में काफी अग्रसर रही है, इस तरह के कार्यकम के होने से खास तौर पर बालाघाट के सन्दर्भ में मैं यह कह सकता हूं । हमें एन.आर.एच.एम. को स्थापित करने में काफी सहयोग मिला है और इस तरह के कार्यकम निरन्तर चलते रहने चाहिए ।

- आई.एन.एच.पी. के अन्तर्गत कार्यरत स्वयं सेवी संस्था सी.डी.सी. के बारे में आप की राय जानना चाहेगें ?

  जहां तक मेरी व्यक्तिगत राय है सी.डी.सी. एक समान सोच वाली संस्था है जो बहुत ही व्यवस्थापित तरीके से अपने कार्यकमों का संचालन कर रही है । सी.डी.सी. और आई. एन.एच.पी. का स्टॉफ बहुत ही रचनात्मक और काफी सुलझा हुआ है जो इस कार्यकम को सही दिशा देने में एक प्रेरक की भूमिका निभा रहा है।

इनके द्वारा किये जा रहे लगातार प्रयास जैसे : नवाचारो का आयोजन आशा एवं आगनबाडी कार्यकत्ताओं को प्रशिक्षण में सहयोग, समुदाय आधारित बैठकों का आयोजन एवं पंचायत को जोड़ने में काफी सकिय रहे है। आई.एन.एच.पी. का स्टॉफ की मुख्य बात दोनों विभागों के जमीनी स्तर के कार्यकत्ताओं के साथ मिलकर काम करना प्रमुख है ।

- केयर की सहयोगी संस्था सी.डी.सी के द्वारा किये गये प्रयासों पर आप की क्या राय है। इन प्रयासों से विभागीय सशक्तिकरण में कितनी मदद मिली है ?

  जहां तक मुझे पता है कि जिला स्तर , ब्लाक स्तर एवं सेक्टर स्तर पर बैठकों को संचालित कराने का श्रेय केयर और सी.डी.सी. को ही जाता है जिसके लगातार अथक प्रयासों का ही परिणाम है कि दोनों विभागों का सेक्टर एकीकरण हुआ है और जिले में संयुक्त बैठको का आयोजन होने लगा। सी.डी.सी. स्टॉफ के लगातार दोनों विभागों से संपर्क और सेक्टर स्तर पर कार्यकम की समीक्षा से कार्यकम पर काफी प्रभाव पडा है। इसके प्रभाव दोनो विभागों की कार्य शैली पर पड़ा है । विकासखंड एवं सेक्टर स्तर के कार्यकर्त्ताओं खास कर ए.एन.एम., आंगनवाडी कार्यकर्त्ता और आशा की सोच कार्य के प्रति सकारात्मक हुई है सुपरवाइजरों के आपसी तालमेल से राष्ट्रीय कार्यकम को एक गति प्रदान हुई है और जिससे जिले में कुपोषण को कम करने में काफी सहयोग मिला है।

- जिले में टीकाकरण की स्थिती को मजबूत बनाने में संस्था द्वारा किये जा रहे प्रयासों के बारे में क्या राय है ?

  जैसा कि आप को विदित है कि जिले में टीकाकरण की स्थिती में काफी सुधार हुआ है और इसे काफी सुदृढ़ बनाना है। एन.आर.एच.एम. के अन्तर्गत टीकाकरण एक बहुत ही महत्वाकांक्षी गतिविधि है और इसके लिए जिल के कलेक्टर महोदय, सी.एम. एच.ओ. साहब और टीकारकरण अधिकारी काफी प्रयासरत हैं, और इनकी कोशिश है कि जिले में प्रत्येक ग्रामों में टीकाकरण नियमित समय पर हो ।

  आप लोगों के क्षेत्र में भ्रमण के अनुभव के आधार पर भी हमें निर्णय लेने के काफी मदद मिलती है । आप लोगों के द्वारा चिन्हित पॅहुचविहीन क्षेत्रों में टीकाकरण करवाया जाता है। कई जगहों पर टीम का गठन करके भी कैच अप रॉउंड के माध्यम से

टीकाकरण सुनिश्चित करवाया जाता है आप लोगों के द्वारा खण्ड और सेक्टर स्तर भी बैठको मे लगातार समीक्षा करने से भी इसका काफी प्रभाव पडा है ।

आपके सुझावों का ज्वलन्त उदा. :– आप लोगों के द्वारा यह बताया गया है कि लामता क्षेत्र के समनापुर में ए.एन.एम. मिर्जा द्वारा बी.सी.जी. का प्रयोग नहीं किया जा रहा है और वो पहुंच विहीन क्षेत्रों में सही समय पर टीकाकरण करने नही पहुच रही है । मांग पत्र के अनुसार वेक्सीन नहीं ले जा रही है। इस बात को बैठक में लाने के उपरान्त तुरन्त उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया । इस तरह के कई उदाहरण और भी है जो कार्यक्रम को सही दिशा प्रदान करती है ।

- केयर के सितम्बर में फेस आउट हो जाने के पश्चात क्या एन.आर.एच.एम. सी.डी.सी. को अभी की भॉति सहयोग देता रहेगा ?

आप तो जानते है कि एन.आर.एच.एम. जिले में कार्यरत कई अन्य संस्थाओं के साथ भी समन्वय स्थापित करके कार्यक्रमों का सफल संचालन कर रही है।

यहां मै आप को स्पष्ट बता देना चाहता हूँ कि एन.आर.एच.एम. आप के साथ सदैव खड़ा है और जो सहयोग आप को केयर की तरफ से मिल रहा है वही सहयोग हम देने की कोशिश करेगें । मै आप के माध्यम से संस्था के संचालक महोदय को यह संदेश भेजना चाहता हूँ कि अगर उन्हें कुछ नया करने की चाह है और वे उसे जिले में स्वास्थ्य स्थिती को सुधारने के लिए करना चाहते है तो एक प्रपोजल बना कर कलेक्टर और सी.एम.एच.ओ. साहब के यहॉ भेजे और में कोशिश करूंगा कि आप की बात राज्य स्तर तक ले जा कर उस कार्य को पूरा कर संकू। इसके अतिरिक्त निरन्तर चलने वाले कार्यक्रमों में आप से सहयोग अपेक्षित रहेगा, आपकी मासिक बैठक मैं मेरी कोशिश होगी की मै उपस्थित रह सकूं।

कम्युनिटी डेव्हलपमेंट सेंटर
बालाघाट म.प्र.